सेन्ट्रल जोन इंश्योरेंस एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से संबद्ध)

33, प्रभांजलि, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती

महासचिव : का. डी. आर. महापात्र

परिपत्र क्र. : 3/2019

दिनांक : 01/05/2019

मध्य क्षेत्र के समस्त साथियों के नाम

प्रिय साथियों ,

विषय : मई दिवस अमर रहे ।

मजदूर वर्ग की अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता के महान पर्व मई दिवस पर हम सेन्ट्रल जोन इन्श्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन की ओर से समूचे विश्व की मेहनतकश अवाम, भारत के श्रमिक वर्ग और समस्त बीमा कर्मियों को बधाई देते हुये उनका क्रांतिकारी अभिनंदन करते हैं ।

पूंजीवादी नवउदारवाद के हमले, विशेषकर पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से जारी पूंजीवाद के व्यवस्थाजन्य वैश्विक संकट के इस दौर में दुनिया भर में श्रमिक वर्ग के कठिन संघर्षों के बल पर हासिल अधिकारों को बचाने के लिये जारी संघर्षों के लिये यह अवसर पुन: एक बार अपने हक और अधिकार की हिफाजत के लिये हर किस्म की कुर्बानी के साथ मंजिल तक पहुंचने के लिये प्रेरणा देता है । यह अवसर साथ ही यह भी पुर्नउद्घोषित करने की प्रेरणा देता है कि मजदूर वर्ग पूंजीवादी निर्मम शोषण के खिलाफ एक बेहतर वर्ग व शोषण विहीन समाज के निर्माण के लिये अपनी लडाई जारी रखेगा। वह साम्राज्यवादी आक्रमणों के खिलाफ देशों की स्वतंत्रता, बढती वैश्विक असमानता, हिंसा उसकी युद्वोन्मादी नीतियों के विरूद्व अपना प्रतिरोध जारी रखेगा ताकि विश्व मानवता की रक्षा की जा सके और एक बेहतर दुनिया का निर्माण किया जा सके ।इसलिये मई दिवस के मौके पर हम वेनेजुएला, सीरिया, फिलिस्तीन, इराक, यमन, अफगानिस्तान व अन्य देशों में साम्राज्यवाद के हस्तक्षेपों, उनकी विध्वंसकारी गतिविधियों, हमलों व युद्धों की कड़ी से कड़ी भर्त्सना करते हैं और इन देशों में अमरीकी साम्राज्यवाद की कारगुजारियों के खिलाफ संघर्षरत आम लोगों व तमाम प्रगतिशील ताकतों के साथ संपूर्ण एकजुटता का इजहार करते हैं । मुनाफे से संचालित पूंजीवादी व्यवस्था में, मानवता के सामूहिक प्रयासों के बूते हासिल वैज्ञानिक व प्रोद्योगिकीय तरक्की को उसका इस्तेमाल करने वाले कुछ देशों व कारपोरेटों ने हथिया लिया है और ऐसा उन्होंने लोगों के लाभ के लिए नहीं बल्कि अपने मुनाफों को बढ़ाने और मेहनतकश वर्ग को दरिद्र बनाने के लिए किया है। यह समूची मानवता के लिए शर्म का विषय है कि दुनिया में एक ओर जहां करोड़ों लोग बेरोजगारी, गरीबी, अशिक्षा, बीमारी से पीड़ित व बेघर हैं दूसरी ओर चंद हाथों में इतनी भारी- भरकम दौलत हैं कि वे सारी विश्व के सकल घरेलू उत्पाद पर नियंत्रण कायम किये हुए हैं । ऐसी अमानवीय पूंजीवादी व्यवस्था को क्या जारी रहने दिया जा सकता है?, इसका उत्तर केवल यही होगा , नहीं ।

दुनिया के विभिन्न भागों में दक्षिणपंथी, प्रतिगामी प्रतिक्रियावादी, नस्लवादी व आतंकवादी शक्तियों के उभार का इस्तेमाल जनता को बांटने एवं नव-उदारवाद के विरुद्ध मेहनतकश जनता के संयुक्त संघर्षों को तोड़ने के लिए अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी व कार्पोरेट वर्गों द्वारा किया जा रहा है । नव-उदारवादी नीतियों के चलते विश्व स्तर पर जनता की बढ़ती गरीबी और असमानता की चौड़ी होती खाई से उपजे जन-असंतोष का उपयोग उन्हें आपस में लड़ाकर अपने कारपोरेट आकाओं को फायदा पहुंचाने वाली इन ताकतों के विरुद्ध भी समूची दुनिया में संघर्ष तीखा हुआ है । हमें विश्वास है कि सारी दुनिया के मजदूर वर्ग व मेहनतकश जनता अपने इन दुश्मनों की पहचान करने और पूरी ताकत के साथ इन्हें परास्त करने अपनी एकता को सुदृढ करेंगे।

हम यह मई दिवस ऐसे मौके पर मना रहे हैं जब देश लोकसभा चुनाव के दौर से गुजर रहा है । यह चुनाव आजाद भारत के इतिहास के अब तक के चुनावों में सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है क्योंकि यह चुनाव ही यह निर्धारित करेगा कि देश में संविधान, लोकतंत्र, जनवादी अधिकार, देश की एकता अखंडता के साथ ही आम नागरिकों के नागरिक अधिकार और मजदूर वर्ग के जनतांत्रिक अधिकार तथा संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता सुरक्षित रहेगी या नहीं । क्योंकि विगत 5 सालों से केन्द्र की सत्ता में सत्तासीन मौजूदा एनडीएनीत भाजपा सरकार की नीतियों ने इनमें से हरेक के समक्ष संकट पैदा किया है । बेरोजगारी चरम पर है लेकिन आंकडे देने से सरकार ने इंकार कर दिया, इस सरकार की नीतियों और नोटबंदी, जीएसटी ने पूरी अर्थव्यवस्था के सामने गहरा संकट पैदा कर दिया, बेरोजगारी की दर 45 सालों में सर्वाधिक और अर्थव्यवस्था विगत 14 सालों के सबसे नीचे विकास दर पर पहुंच गयी है । किसान आत्महत्या कर रहे है, सार्वजनिक क्षेत्रों की बोलियां लग रही हैं , जियो इंडिया के नाम पर बीएसएनएल की हालत यह कर दी गई कि कर्मचारियों को वेतन के लाले पडे हैं और अब सेवानिवृत्ति की आयु घटाकर 54 हजार कर्मचारियों की छंटनी की तैयारी हो रही है, जेट एयर के कर्मी आत्महत्या कर रहे है, एयर इंडिया, और अब डाक विभाग सबकी घाटे के नाम पर नीलामी की तैयारी हो रही है । असंगठित श्रमिक न्यूनतम वेतन से वंचित है, स्थायी रोजगार की बजाय फिक्स्ड टर्म रोजगार की तैयारी हो रही हैं। श्रम कानून को बदलकर उसे संहिता बनाया जा रहा है , बैंकों का पैसा लूटकर चंद लोग देश छोड़ भाग रहे हैं और बढ़ते एनपीए के नाम पर सार्वजनिक बैंको को तबाह करने की तैयारी हो रही है । तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले सार्वजनिक बीमा उद्योग भी निशाने पर हैं, हमारी निरंतर मांगों के बावजूद बीमा प्रीमियम पर जीएसटी हटाई नहीं गई ।

इन नीतियों के खिलाफ प्रतिरोध मुखर हुआ है। 8 व 9 जनवरी 2019 को मेहनतकशों की 20 करोड़ से अधिक लोगों की भागीदारी के साथ जबर्दस्त हड़ताल हुई, किसान, छात्र, युवा, महिला सब इन नीतियों के खिलाफ संघर्ष के मैदान पर हैं , ऐसे समय जनता की एकता तोड़ने सांप्रदाायिक ध्रुवीकरण की कोशिशें तेज कर दी गई है, सेना तक का वोटों की फसल के लिये राजनीतिकरण हो रहा है, आतंकवाद से मुकाबला करते हुये प्राणों की आहूति देने वाले हेमंत करकरे की शहादत का अपमान हो रहा और प्रधानमंत्री स्वयं ऐसे लोगों के धिक्कार की बजाय उसके पक्ष में खडे होने व आतंकवाद को भी धार्मिक रंग देने में लगे है । हमने हमेशा ही कहा है आतंकवाद हो या धार्मिक कट्टरता उसका कोई रंग नहीं होता, हर किस्म का आतंकवाद और हर किस्म की सांप्रदायिकता अपने चरित्र में ही इंसानियत की दुश्मन होती है । हमें मेहनतकशों की एकता को तार-तार करने वाली ऐसी कोशिशों की असली मंशा को समझना होगा । हमें समझना होगा कि इन सारी कोशिशों का असली मकसद है इसकी आड़ में कार्पोरेट परस्त उदारवाद की नीतियों के खिलाफ प्रतिरोध की धार को कुंद कर दिया जाए ताकि पूंजीपतियों का मुनाफा और देश को लूटने की मंशा निर्बाध जारी रहे । हमने देखा कि कैसे-कैसे रातों-रात 5 विमानतल की देखभाल की जवाबदारी निजी कंपनी को दे दी गई, कैसे रेल्वे स्टेशनों और रेल्वे के अनेक क्षेत्रों को निजी कंपनियों के हवाले कर दिया गया , हमने देखा कैसे लाल किला जो हमारी आजादी का ऐतिहासिक धरोहर है की देखभाल की जवाबदारी भी एक निजी कंपनी को दे दी गई । ये उनके असल वर्ग चरित्र के ही चंद उदाहरण है ।

मई दिवस के मौके पर इसलिये, हमें इन नीतियों को पराजित कर एक नीतियों के आधार पर वैकल्पिक सरकार के गठन में अपनी भूमिका का ऐलान करना होगा ताकि हम अपने देश व उसकी एकता , अपने लोकतंत्र, संविधान की हिफाजत के साथ ही अपने उद्योग और अपने बेहतर जीवन से संबधित अन्य मांगों और सपनों को हासिल करने का संघर्ष जारी रख सकें । मई दिवस 2019 का यही संदेश है ।

क्रान्तिकारी अभिवादन के साथ...

आपका साथी

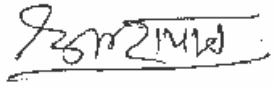

(डी.आर. महापात्र)

महासचिव

मई दिवस अमर रहे ।।

दुनिया के मजदूरों एक हो ।